

**श्री अरुण जेटली** : नक्सलाइट पर आरोप नहीं लगा सकते। ... (व्यवधान) ...

**डॉ (श्रीमती) नजमा ए० हेपतुक्ता** : ये गलत बात कर रहे हैं ... (व्यवधान) ...

**SHRI SHIVRAJ V.PATIL:** Sir, this is not correct. (Interruptions) This is not correct. (Interruptions)

**श्री सभापति** : सदन की कार्यवाही साढ़े चार बजे तक के लिए स्थगित की जाती है।

The House then adjourned at forty-one  
minutes past three of the clock.

The House re-assembled at thirty-one minutes past four of the clock, MR.  
DEPUTY CHAIRMAN in the Chair.

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The House is adjourned till 5 O' clock.

The House then adjourned at thirty-one minutes  
past four of the clock till five "of the clock.

The House re-assembled at one minute past five of the clock, MR.  
CHAIRMAN in the Chair.

#### **STATEMENT BY MINISTER**

#### **Re. Train Accident on the 14th December, 2004 at Jalandhar-Pathankot Section in Ferczpur Division of Northern Railway**

**श्री सभापति** : माननीय गृह मंत्री जी के उत्तर देने के पश्चात श्री जसवन्त सिंह जी, माननीय नेता विपक्ष, ने एक विषय उठाया। मेरी राय में सदन में चल रही बहस से मैं इसको अलग मान कर, गृह मंत्री जी से निवेदन करूँगा कि उसको दिखवा लें और जब चाहें उस पर सदन को अवगत कराएं।

**रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद)** : सर, 14 तारीख को बड़ी दर्दनाक घटना रेलवे में हुई और लोक सभा में मैंने अपना स्टेटमेंट देकर, ज्यों ही मालूम हुआ, लोक सभा में बयान देकर मैं घटना स्थल पर गया, महोदय। घटनास्थल पर रेल राज्य मंत्री और रेलवे बोर्ड के सभी सदस्यों को और मीडिया के लोग भी वहां थे। महोदय, वहां जाकर हमें जो काम करना था, वह किया। दोनों हाउस में दोनों राज्य मंत्री तैनात थे। लेकिन कल मुझे यह जानकारी मिली कि मेरी खोजाई हो रही है और .....

**श्री सभापति** : खोजाई नहीं हो रही है, आपकी खोज हो रही है।

**श्री लालू प्रसाद** : हां, मेरी खोज हो रही है। महोदय, माननीय अटल जी ने कहा कि where is Lalu Yadav?

**श्री सभापति :** खाली लालू ।

**श्री लालू प्रसाद :** लालू यादव, जो भी बोलें, उम्र में वे हमसे बड़े हैं, where is Lalu? लालू कहीं एबरकॉड नहीं किया । Everywhere is a Lalu. और महोदय...(व्यवधान)...

**MR.CHAIRMAN :** Where there is aloo, there is always Lalu.

**श्री लालू प्रसाद :** जहां आप खोजिए, वहीं मिल जाएंगे । महोदय, मैं भागा-भागा कल आया और जब मैं अपने अपर हाउस में, जहां से मैं त्याग करके गया था, सबसे पहले आया सर, लेकिन हमारी बात कल नहीं सुनी गई । मुझे अफसोस है कि हमारे माननीय सदस्यों की, विरोधी पक्ष के जो नेता हैं और माननीय अहलुवालिया जी, बहन सुषमा जी, मेरी तलाश में इनकी बहुत सारी शक्ति एकजॉस्ट हुई होगी । इसके लिए मुझे खेद है ।

**श्री सभापति :** ठीक है, ठीक है ।

**श्री लालू प्रसाद :** और हाउस से अलग कहां जा सकते हैं ? हाउस तो हम लोगों का घर है, महोदय, मन्दिर है, मजिस्ट्रेट है, गिरजा है, गुरुद्वारा है ।

**श्री सभापति :** बोलिए, बोलिए ।

**श्री लालू प्रसाद :** महोदय, दिनांक 14-12-2004 को लगभग 12 बजे जालंधर से पठानकोट जा रही 1 जे एम पी डीजल मल्टीपल यूनिट (डीएमयु) पैसेंजर गाड़ी, जम्मू-तवी-अहमदाबाद एक्सप्रेस (गाड़ी सं 9112) से टकरा गई । जालंधर — पठानकोट पैसेंजर के दो सवारी डिब्बे उलट गए और जम्मू — तवी एक्सप्रेस गाड़ी के दो सवारी डिब्बे पटरी से उतर गए । दुर्घटना भंगाला और मीरथल स्टेशनों के बीच हुई, जो उत्तर रेल के फिरोजपुर मंडल के जालंधर — पठानकोट खंड पर है । यह स्थल पंजाब के होशियारपुर जिले में है ।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही पठानकोट और लुधियाना से मेडिकल वैन का तुरंत प्रबंध किया गया । पठानकोट की मेडिकल वैन अपराह्न 1 बजे तथा लुधियाना की मेडिकल वैन 2 बजकर 50 मिनट पर पहुंची ।

संसद में बयान देने के बाद, मैंने रेल राज्य मंत्री, अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड तथा अन्य उच्च अधिकारियों के साथ दुर्घटना स्थल पर जाकर निरीक्षण किया और उन अस्पतालों में गए, जहां घायलों को भर्ती किया गया था तथा मृतकों का जहां पोस्ट — मॉर्टम हो रहा था । देखा, नमन किया । अस्पताल के प्राधिकारियों को उच्च प्राथमिकता पर आवश्यक चिकित्सा सहायता मुहैया कराने के लिए कहा गया । दुर्घटना का कारण प्रथम इट्टया मानवीय विफलता प्रतीत होती है । यह पाया गया कि संबंधित दोनों स्टेशन भंगाला एवं मीरथल के ब्लॉक उपक्रम एक दिन पहले से खराब थे । मैंने

सदस्य, बिजली रेलवे बोर्ड को निर्देश दिया है कि वह ब्लॉक उपकरण की खराबी के कारण एवं उस के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों को चिह्नित करें ताकि उनके खिलाफ कार्रवाई की जा सके। ऐसी स्थिति में नियमानुसार दोनों स्टेशनों के स्टेशन को पेपर लाइन क्लीयर की प्रणाली के तहत गाड़ियों का संचालन करना होता है। इस प्रणाली में एक स्टेशन के स्टेशन मास्टर को जहां से गाड़ी छूटनी होती है, उस के लिए लाइन क्लीयर अगले स्टेशन मास्टर से प्राइवेट नम्बर के आदान — प्रदान कर के लिया जाता है। स्पष्टतया यही प्रतीत होता है कि निर्धारित नियमों का अनुपालन संबंधित स्टेशन मास्टरों ने सही तरीके से नहीं किया और एक ही सेक्षन में दोनों तरफ से गाड़ियों को स्टेशन में छोड़ दिया जिस के कारण यह टकराव हुआ।

रेल संरक्षा आयुक्त, उत्तर क्षेत्र दुर्घटना की वैधानिक जांच कर रहे हैं जो कि दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच करेंगे एवं भविष्य में इस प्रकार की दुर्घटना से बचाव के लिए उचित सुझाव देंगे।

इस घटना में मृतकों एवं घायलों की संख्या निम्न प्रकार है :-

मृतकों की संख्या	38
घायलों की संख्या	52
जिनकी अस्पताल से छुट्टी की जा चुकी है	13
जो अभी भी अस्पताल में भर्ती हैं	39 (गंभीर 16, साधारण 23)
(मुकेशिया, दसूआ, जालंधर और लुधियाना के अस्पतालों में )	

मैंने निम्नानुसार अनुग्रह राशि की घोषणा तत्काल में की है। यह अंतिम नहीं है।

मृतकों को तत्काल	1,00,000/- रु० प्रत्येक
गंभीर रूप से घायलों को	15,000/- रु० प्रत्येक
मामूली रूप से घायलों को	5,000/- रु० प्रत्येक

और यह भी कहा है कि घायलों को बचाने के लिए चाहे जितना भी खर्च जहां भी जिस अस्पताल में लगे, हमारे रेल पदाधिकारी रेल कोष से उन का इलाज कराएंगे।

उक्त तत्काल राहत के अलावा रेल दावा प्राधिकरण के द्वारा निर्धारित मृतकों के आश्रितों को 4 लाख रुपया एवं घायलों को भी प्राधिकरण द्वारा निर्धारित राशि का मुआवजा दिया जाएगा। मारे गए व्यक्तियों के आश्रितों एवं इस दुर्घटना से अपेंग हुए व्यक्तियों को रेलवे में नौकरी देने का आदेश हम ने दिया है मायने रोजगार मुहैया कराया जाएगा। मुझे ज्ञात हुआ है कि माननीय मुख्य मंत्री, पंजाब ने भी मृतकों के आश्रितों एक — एक लाख रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

मैंने निर्देश दिया है कि घायलों का मुफ्त इलाज रेलवे की तरफ से कराया जाएगा एवं इलाज के पश्चात उन्हें अपने परिजनों के पास रेलवे के खर्च पर पहुंचाया जाएगा।

भंगाल और मीरथल दोनों स्टेशनों के स्टेशन मास्टरों को निलंबित कर दिया गया है। दोनों स्टेशन मास्टरों के खिलाफ एफ0आई0आर (F.I.R) दर्ज करा दी गई है। एक स्टेशन मास्टर आज गिरफ्तार हो चुके हैं, दूसरे फरार है। पुलिस द्वारा उन की खोज जारी है। संबंधित सेक्सन इंजीनियर (निर्माण), एवं सेक्सन इंजीनियर (दूरसंचार) को भी निलंबित कर दिया गया है।

लाइन को दिनांक 15.12.2004 को सुबह 2 बजकर 30 मिनट पर बहाल कर दिया गया है और पहली गाड़ी 4 बजकर 10 मिनट पर गुजर चुकी है।

**श्री सभापति :** राम देव जी, आप कुछ बोलेंगे ?

**प्रो० राम देव भंडारी (बिहार) :** एक मिनट बोलूंगा। माननीय सभापति जी, यह अत्यंत ही दुर्भाग्यपूर्ण और दर्दनाक घटना हुई है। मंत्री जी ने विस्तार से इस बारे में बताया है। मैं अपनी ओर से, अपनी पार्टी की ओर से मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और जो घायल हैं, कामना करता हूं कि वे शीघ्र स्वस्थ हो जाएं।

महोदय, मैं माननीय रेल मंत्री जी की प्रशंसा करना चाहता हूं कि जैसे ही उन्हें घटना की जानकारी मिली, उन्होंने बिना एक क्षण गंवाए तुरंत अपने वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ घटना स्थल के लिए प्रस्थान किया। सभापति महोदय, बहुत सी रेल दुर्घटनाएं हुई हैं, लेकिन शायद पहली बार ऐसा महसूस होता है कि कोई रेलमंत्री इतनी जल्दी दुर्घटना स्थल पर पहुंचा हो। महोदय, मैं सिफ़ एक बात कहना चाहूंगा। ...**(व्यवधान)**... मैंने ऐसे रेल मंत्री भी देखे हैं जो यहीं से बैठकर घटना को मॉनिटर करते थे, यहां दिल्ली में बैठकर ...**(व्यवधान)**...

**श्री सभापति :** आप उधर मत देखिए, आप तो लालू जी को देखकर बोलिए।

**श्री लालू प्रसाद :** सर, जहां दुर्घटना घटी, उस गांव का नाम है इर्सा मानसर। इस गांव के लोगों ने इतना काम किया है कि उनकी हम भूरि — भूरि प्रशंसा करते हैं और पठानकोट के हमारे सैनिकों ने, एयरफोर्स के लोगों ने बहुत मुर्तेदी से अपना पूरा काम किया — राहत का काम किया, लोगों को सही जगह लेकर गए, एक — एक को अटेंड किया। इस इर्सा मानसर गांव को, माननीय गिल साहब ने भी हमको कहा है, हम रेलवे की तरफ से दस लाख रुपए देने की घोषणा करते हैं ताकि उस गांव का विकास हो सके और इसका मैसेज देश को जा सके।

**प्रो० राम देव भंडारी :** सर, मैं माननीय मंत्री जी को धन्यवाद देता हूं। मेरा एक सवाल यही था कि गांव वालों को प्रोत्साहन के रूप में सहायता दी जाए।

दूसरी बात जो मैं कहना चाहता हूं, वह यह है कि जो गंभीर रूप से घायल है और जिनका वहां के स्थानीय अस्पतालों में ठीक से इलाज नहीं हो पा रहा हो, उन्हें दिल्ली लाकर बड़े अस्पतालों में

उनका इलाज कराया जाए और मंत्री जी ने तो कहा ही है कि सारा खर्च रेल विभाग वहन करने जा रहा है। मैं मंत्री जी को पुनः धन्यवाद देता हूँ।

**श्री अरुण जेटली (गुजरात) :** सभापति जी, यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है, जिस घटना के तहत दो रेलों का इस प्रकार से टकराव हुआ और कई मासूम पैसेंजर्स, जो उनमें�े, की जान इसमें गई है। कई विषय हैं जो इसमें से उभरकर सामने आते हैं।

जिस स्थान पर यह दुर्घटना हुई है, वह जालंधर से लेकर जम्मू तकी तक का जो ट्रैक है, उसका एक हिस्सा है। यह बात सार्वजनिक जानकारी में है कि जम्मू और जालंधर का कनैक्शन एक मात्र सिंगल ट्रैक है। जालंधर तक दो ट्रैक जाते हैं और उसके बाद एक सिंगल ट्रैक है और जिस स्थान पर यह है, इसकी संवेदनशीलता यह भी है कि केवल पंजाब के कुछ क्षेत्र, जम्मू - कश्मीर के कुछ क्षेत्र, हिमाचल के कुछ क्षेत्रों में जाने का भी यह एक साधन बनता है और उसके साथ - साथ हमारी जो सुरक्षा फोर्सेस हैं, उनके मूवमेंट का भी इस ट्रैक के माध्यम से एक प्रयास रहता है। इसलिए मंत्री जी, शायद अन्य कारणों में से एक कारण यह भी है, जो वहां पर जाकर देखा है, कि कई वर्षों से इस ट्रैक को डबल ट्रैक बनाने की योजना चल रही है यह डबल ट्रैक बनाने की जो योजना इस क्षेत्र में है, जालंधर से लेकर जम्मू-तकी तक, उसकी क्या प्रोग्रेस है और कब तक इसके समाप्त होने की संभावना है ताकि डबल ट्रैक होने के बाद इस प्रकार की दुर्घटनाएं न हो पाएं ?

दूसरा प्रश्न इसमें से जो उभरता है, वह है कि रेल सुरक्षा को लेकर एक अपने आप में बहुत बड़ी चिंता पूरे देश के सामने है क्योंकि कई प्रकार के बड़े एक्सिडेंट इस तरह के रेलवे के हुए हैं। रेल सुरक्षा के ऊपर कितना खर्च किया जा रहा है, इसको लेकर भी एक प्रश्नचिन्ह सामने लगा हुआ है। विशेष रूप से कल समाचार पत्रों में और टेलीविजन पर यह देखने को मिला कि रेलवे के जो दूर संचार के साधन हैं, कम्युनिकेशन के जो साधन हैं, इस वर्ष के दौरान उन पर कितना खर्च किया जाना है और इसके साथ जुड़ा हुआ एक प्रश्न उभरता है कि क्या रेलवे के पास इस प्रकार की रेलों में कोई एंटी कोल्यूजन के प्रायर वार्निंग देने वाले साधन हैं या नहीं ? अगर हैं, तो क्या इन रेलों के अंदर वे ऑपरेट कर रहे थे या नहीं कर रहे थे ? अगर नहीं हैं, तो क्या इस प्रकार के साधन आज टैक्नालॉजी के आधार पर उपलब्ध हैं, जो कि इस प्रकार की रेलों में लगाए जा सकते हैं ?

तीसरा विषय यह उभरता है कि रेल मंत्री जी ने इसकी जांच के आदेश दिए हैं। पुराना अनुभव यह है जब इस प्रकार की जांच की घोषणा होती है तो एक्सिडेंट वाले दिन तो उसका बहुत बड़ा समाचार बन जाता है, लेकिन उसके बाद उस जांच का क्या हुआ, हम लोग भूल जाते हैं। खन्ना में जो रेल एक्सिडेंट हुआ था, उसकी जांच के लिए हाई कोर्ट ने एक पूर्व न्यायाधीश की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई थी और उसने जानकारी प्राप्त करने की कोशिश की थी कि इसके कारण क्या थे, उस जस्टिस गर्ग इंक्वायरी की रिपोर्ट हाल ही में आई है और जहां तक मेरी जानकारी है कि

रेल एक्सडेंट क्यों हुआ , इसकी जानकारी प्राप्त करने के जो कारण थे उनका पता लगाने में लगभग पांच वर्ष जज साहब को लग गए । पांच साल के बाद जब वह जांच सामने आई है तो अब पढ़ने में यह आया है कि रेल अधिकारी शायद उसकी रिकमेंडेशन्स का काफी बड़ा अंश अस्वीकार कर रहे हैं । तो क्या इस जांच के साथ भी ऐसा ही होगा या इस जांच की भी कोई समय — सीमा हम लोगों ने बांधी है? चौथा प्रश्न यह उभरता है की रेल मंत्री जी ने कहा कि विभिन्न अस्पतालों के अन्दर वे गए और चार हॉस्पिटल्स के अन्दर जिन लोगों को छोटे लगी हैं, वे लोग मौजूद हैं, तो क्या रेल मंत्री जी यह बतलाने का कष्ट करेंगे कि इन चारों में से कौन से हॉस्पिटल के अन्दर वे स्वयं गए थे ? ...**(व्यवधान)**...

**श्री सभापति :** सब का एक साथ दे देंगे । ...**(व्यवधान)**... सब का एक साथ दे देंगे।

**श्री लालू प्रसाद :** हम एक — एक करके जवाब दे देंगे । नहीं तो फिर भूल जाएंगे । ...**(व्यवधान)**...

**श्री सभापति :** एक-एक करके दें । ...**(व्यवधान)**...

**श्री लालू प्रसाद :** महोदय, एक-एक करके हम जवाब दे देते हैं, नहीं तो बहुत लोग नहीं समझ पाएंगे। माननीय जेटली जी ने मुझे स्मरित किया, स्ट्रेटेजिक प्यारेट है हमारा, रणनीति के ख्याल से भी, और हमको जानकारी नहीं भी कि यह सेंक्षण्ड है, मैंने घटनास्थल पर ही कहा कि हम डबल करेंगे । पहली बात यह है कि जालंधर — पठानकोट, जम्मू-तवी में परियोजना की स्वीकृति 1997-98 में हुई । सी.सी.ए क्लीयरेंस 2002 में मिला । कुल दूरी 203 किलोमीटर है । कुल लागत 408 करोड़ रुपये है । 1.04.2004 तक 95 करोड़ रुपए खर्च हो चुके हैं । 2004-05 का बजट आवंटन 34 करोड़ है । जून 2005 तक 57 किलोमीटर डबलिंग होगा जिसमें मुकेरिया, भंगाला, मीरथल सैक्षण शामिल है । इसी सैक्षण में दुर्घटना हुई है । मैं हाउस को आश्वस्त करना चाहता हूं कि इसकी इम्पॉर्टेन्स को देखते हुए, दो सालों के अन्दर इसका पूरा डबलिंग हम लोग करा देंगे और जो भी राशि है उससे युद्ध स्तर पर हम लोग यह काम करायेंगे । माननीय श्री जेटली जी ने दूसरा प्रश्न किया कि क्या दुर्घटना रोकने के लिए जो राशि आप लोगों को मिलती है, आप उसमें क्या कर रहे हैं ? महोदय, रेल पथ नवीकरण में 2004-05 में हम 1,320 करोड़ खर्च करने जा रहे हैं । यह सब जितनी लायबिलिटी है, अब हमने यह काम शुरू किया है । जहां पुल पर एक्सीडेंट हो जाता था, उसमें 430 करोड़ रुपए सिग्नल एवं दूर संचार 580 करोड़ रुपए, चल स्टाफ 560 करोड़, अन्य विजली संबंधी कार्य 1 करोड़ मशीनरी और संयंत्र 12, अन्य विशिष्ट कार्य 30 करोड़, कुल 2933 करोड़ का हम यह काम करने जा रहे हैं ? टक्करों को रोकने के लिए रेटेशनों पर तथा इंजन पर विशिष्ट एवं स्वचालित तकनीक का यथा संभव प्रयोग किया जाता है, ताकि मानवीय भूल से दुर्घटना होने की संभावना कम से कम हो । रेटेशनों पर सिग्नेलिंग और इंटरलॉकिंग प्रणाली मानवीय भूल पर रोक लगाती है । भारतीय रेल सुरक्षा कवच (ए.सी.डी.) का प्रबन्ध किया जा रहा है, जिससे यदि दो गाड़ियां एक ही लाईन पर आ जाएं तो उस रक्षा कवच तीन किलोमीटर पहले से ही

**RAJYA SABHA** [16 December, 2004]

एस.ओ.एस. भेज देगा और इंजनों में अपने आप ब्रेक लगेगा और गति नियंत्रित हो जाएगी । खन्ना दुर्घटना कमीशन की रिपोर्ट के मामले में मैं हाउस को आश्वरत करना चाहता हूं कि इसका फाइनल अवलोकन हमने नहीं किया है । कई तरह की चर्चा मीडिया में बाहर से, माननीय सदस्यों की तरफ से आ रही हैं मैं आश्वस्त करना चाहता हूं कि जो अनुशंसा है और जिन लोगों की तरफ उनका इशारा है, मेरे शासनकाल में, मेरे रहते हुए, किसी भी व्यक्ति को बख्खा नहीं जाएगा । जहां उनका कंस्ट्रक्टिव रिकमेंडेशन है, उसको ग्रहण करेंगे और जिनकी गलती से यह सब काम हुआ है, उनको हम दण्डित करेंगे । मैं हाउस को यह आश्वस्त करना चाहता हूं ।

**श्री सभापति :** ठीक है ।

**श्री लालू प्रसाद :** तो आपका तो सब हो गया ? ... (व्यवधान) ...

**श्री सभापति :** श्रीमती एन.पी. दुर्गा ... (व्यवधान) ... आप बैठ जाइए । बैठ जाइए ।

**SHRIMATI N.P. DURGA(Andhra Pradesh) Sir,** I have five points on which I would like to seek clarifications from the hon. Minister. I would like to know from the hon. Minister whether there is any action plan to convert passenger coaches from fire-prone to fireproof. Is the Ministry thinking to eliminate the use of combustible material in coaches? My second point is, there was a proposal in the Ministry to develop... {Interruptions}

**श्री सभापति :** यह कोई प्लाइट नहीं है । इन्होंने जो वक्तव्य दिया है, उस पर यदि आपको कोई क्लेरिफिकेशन करवाना हो तो करवा लीजिए ।

**SHRIMATI N.P. DURGA :Sir,** I am putting points only. (Interruptions) ठीक है, सर ।

**श्री सभापति :** आप बैठ जाइए, बैठ जाइए ।

**श्रीमती एन.पी. दुर्गा :** ठीक है, सर ।

**एक माननीय सदस्य :** सभापति जी, मैं कुछ बोलना चाहता हूं ।

**श्री सभापति :** आप बैठिए, अभी दूसरे बोल रहे हैं ।

**SHRIMATI N.P. DURGA :Sir,** I am asking points .

**श्री सभापति :** नहीं ये प्लाइट्स नहीं हैं । इसे रेलवे से मत जोड़िए ।

**श्रीमती एन.पी. दुर्गा :** ठीक है, सर ॥

**श्री सभापति :** पूरे रेलवे सिस्टम से इसे मत जोड़िए, दुर्घटना के संबंध में जो वक्तव्य दिया है, यदि उसका कोई क्लैरिफिकेशन हो तो मांग लीजिए।

**श्रीमती एन०पी० दुर्गा :** सेफटी के बारे में, I am asking.

**श्री सभापति :** नहीं छोड़िए।

**श्रीमती एन०पी० दुर्गा :** ठीक है, सर।

**श्री लालू प्रसाद :** माननीय दुर्गा जी ने जिस बात की तरफ इशारा किया है, रेल मंत्री बनने के साथ, रेल के अंदर जो आग लगती है, वह शॉर्ट सर्किट से हुआ या कैरोसिन तेल कोई ले जा रहा हो, उससे हुआ या कोई गैस ले जा रहा हो, उससे भी आग लगती है। इसे ध्यान में रखते हुए हमने पहले से ही स्पष्ट यह निर्देश दिया है कि कोई भी विस्फोटक सामान गैस इत्यादि, इसकी हम इजाजत नहीं देंगे ताकि हमारी रेलों का कोई नुकसान न हो। न ए कोच में पहले से ही अग्निरोधी उपकरणों के उपाय किए जा रहे हैं। इन पर सब काम किया जा रहा है। यह पूरी जिम्मेदारी जो हमारे सिर पर आई है, उसकी हमने इन छः सात महीनों में बुनियाद डाली है। सुरक्षा और मॉडर्नाइजेशन हमारी प्राथमिकताएं हैं। इस बारे में हमारी प्रधानमंत्री जी से भी बात हुई है और हमने 25000 करोड़ का प्रोजेक्ट भी लिया है। रेलवे लाइनों की सुरक्षा, सिंगल सिस्टम इत्यादि पर काम किया जा रहा है।

**श्री सभापति :** सबका सिंगल सिस्टम कर देंगे क्या ?

**श्री लालू प्रसाद :** हम एक नम्बर की रेल बनाएंगे हमारा सब काम ठीक हो रहा है। पहले सिंगल सिस्टम था, ऐसे जाता था। वह अब इलेक्ट्रिक हो जाएगा।

**श्री सभापति :** अब वैसे जाएगा।

**श्री लालू प्रसाद :** अब ऊपर जाएगा।

**श्री राजीव शुक्ल (उत्तर प्रदेश) :** सभापति जी, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जो एक्सीडेंट माननीय भूलों की वजह से हो रहे हैं, उसके लिए उन्होंने बताया कि कुछ सिस्टम प्रणाली पर काम किया जा रहा है, लेकिन कल टैलीविजन पर एक रिपोर्ट में था कि एक लेजर सिस्टम आता है। एक रिपोर्ट मैट्रो रेलवे कार्पोरेशन के चेयरमैन की भी थी उन्होंने पहले से ही प्रकाशन लिए हैं, इस प्रकार के सिस्टम लगा कर, जिससे कि दुर्घटनाएं न हों और जिससे ट्रेन अपने आप रुक जाती है। क्या आप भी उस सिस्टम को लेने पर विचार कर रहे हैं जिस सिस्टम को मैट्रो रेलवे कार्पोरेशन ने लगाया हुआ है? दूसरी चीज उन्होंने बतायी कि दोनों ही स्टेशन मास्टर फरार हैं ... (व्यवधान) ...

**श्री लालू प्रसाद :** एक पकड़ा गया है।

**श्री राजीव शुक्र :** अच्छा, एक पकड़ा गया है। तब इसमें उन्हें पंजाब पुलिस का पूरा सहयोग मिल रहा है या नहीं? तीसरा पिछले दो—तीन वर्षों में कौन कौन सी बड़ी रेलवे दुर्घटनाएं हुई हैं और उन पर क्या कार्यवाही की जा रही है। ...**(व्यवधान)**...

**श्री लालू प्रसाद :** माननीय सदस्य, श्री राजीव शुक्ल जी का सुझाव है, वह ग्रहण करने योग्य है और इसके लिए हम उन्हें धन्यवाद देते हैं। आप लिख कर भी दे दीजिएगा, हम मंगवा भी लेंगे। 4 जून, 2002 को कानपुर—कासगंज एक्सप्रेस बस से टक्कर हो जाने के कारण 49 व्यक्ति मारे गये और 29 घायल हुए। 9 सितम्बर, 2002 को 32301 राजधानी एक्सप्रेस पटरी से उतर जाने के कारण ...**(व्यवधान)**...

**श्री सभापति :** वह सब मामला सभा में आया हुआ है।

**श्री लालू प्रसाद :** उल्लेख कर देते हैं।

**श्री सभापति :** नहीं, वह सबको जानकारी है।

**श्री लालू प्रसाद :** नहीं, इन्होंने पूछा है।

**श्री सभापति :** ये तो जान—बूझ कर पूछ रहे हैं। इन सबको बताने का कोई मतलब ही नहीं है।

**श्री लालू प्रसाद :** सर, दुर्घटनाओं का प्रतिशत घटा है, लेकिन हमारे इन दोनों स्टेशन मास्टरों की बुधिंदे पर रेलवे के कर्मचारी अफसर भी हंस रहे हैं कि इनकी वजह से हुआ है अन्यथा हमारे समय में बहुत कम एक्सीडेंट हुए हैं और आगे नहीं हों, इन कोशिशों में हम लगे हुए हैं।

SHRIV. NAI=AYANASAMY (Pondicherry): Mr. Chairman, Sir, both the trains, according to the hon. Minister, the Jalandhar-Pathankot and Jammu-Ahmedabad train were going on the same line. The hon. Minister's statement is very clear that the block instrument signal has failed on the previous day, and therefore, they were relying upon old fashion measure of paper line clearance system. Sir, the signal is a very important system for the purpose of allowing trains to move and also for the movement of goods train. I would like to know from the hon. Minister, according to the manual, what is the time-frame fixed for repairing the system that failed at that time? My second question is: in the last four years how many accidents occurred in this country? I would like the hon. Minister to give a comparative detail on this. The Minister was speaking about the modernisation of signalling system. This accident occurred because of human failure. Therefore, I would like to ask the hon. Minister—which my other colleague has mentioned—whether the Ministry is going to give top priority for improving and modernisation the signalling system.

**श्री लालू प्रसाद** . महोदय, सिग्नलिंग सिस्टम फैल रहने के बाद भी जो इससे संबंधित पदाधिकारी हैं, उनको इंस्ट्रक्शंस व ट्रेनिंग दी गई है। ब्लॉक वर्किंग मेन्युअल में 1983 से ही यह सारी व्यवस्था है और उसमें लिखा है कि :

"Passing of trains when single line block instruments become defective—In the event of failure of the instruments, trains shall be worked on paper line clear which may be obtained:—

- (a) by the telephone attached to the block instrument;
- (b) by morse telegraph instrument in the event of failure of (a) above;
- (c) Through the section controller in the event of failure of (a) and (b) above;
- (d) VHF sets in the event of failure of (a), (b), and (c) above.

Whenever line clear is obtained by any one of the alternative means of communications prescribed above, enquiry and reply books shall be brought into use by the two station masters and the procedure laid down in chapter V for obtaining line clear observed. Paper line clear ticket shall be issued to the driver as his authority to enter the block section."

महोदय, लबुलबाब इस कानून का मतलब है कि जब सिस्टम फैल है तो उस समय भी हमारे पास एक आल्टरनेटिव व्यवस्था है कि टेलीफोन और पेपर पर जब एक स्टेशन मास्टर दूसरे को भेज देगा और जब उसके ज्यूरिस्टिक्शन में यह ट्रेन इन कर जाएगी जब वह नम्बर काटेगा प्राइवेट नम्बर देकर और तब दूसरी लाईन में वह छोड़ेगा । यहां दोनों विद्वानों ने क्या किया है कि दोनों तरफ से रेल को छोड़ दिया कि जाकर मरो, किसी ने यह देखा ही नहीं । इसलिए हमने यह माना है तथा स्वीकार किया है और हम छिपाना नहीं चाहते हैं । हमने कहा है कि अंतर्रोगत्वा यह ब्रूटल मर्डर है, हमने इसको माना है और इसमें हमने हिम्मत और साहस करके, क्योंकि एक करोड़ लोग हम पर ट्रस्ट करके ट्रेन में सफर करते हैं और अगर इस तरह का तत्व हमारे रेलवे में रहेगा, तो ऐसे लोगों की कोई जरूरत नहीं है । हम तब से इसमें लगे हुए हैं, जब से हमने देखा है कि सब काम ठीक हो रहा था और यह हमारी बदनामी कराई गई है । रेल तंत्र में भी न जाने किस — किस तरह के अफसर और कर्मचारी घुसे हुए हैं । इसके लिए भी हम आपसे आग्रह करेंगे कि आई0बी0 से जांच करा दीजिए कि ये दोनों आदमी कौन हैं, इनकी संलिप्तता कहां पर है, इसकी भी जांच कराने की घोषणा हम करना चाहते हैं ।

**श्री सभापति :** बस, हो गया । बैठिए ... (व्यवधान)...

**श्री लालू प्रसाद :** ये दोनों स्टेशन मास्टर हमारे अफसर हैं। हमारी ट्रेन में इतने पैसेंजर्स तथा रेल मिनिस्ट्री से लेकर सेना के पदाधिकारी तक चलते हैं। इन दोनों की हम जरूर जांच कराएंगे कि क्या इनकी कहीं एंटी सोशल एलीमेंट से संलिप्तता है या नहीं, अपनी संतुष्टि के लिए इसको हम देखेंगे। हम देखेंगे ठीक है, तो ठीक है और नहीं तो नहीं। फिर तो जो यह अपराध किया है वह सजा का भागी है। हम इसको देखेंगे। ...**(व्यवधान)**...

**श्री सभापति :** ठीक है, आप बैठिए। ...**(व्यवधान)**... लालू जी, बैठिए।

**श्री एम०एस० गिल (पंजाब) :** सभापति जी, मैं आपको धन्यवाद देता हूँ कि आपने मुझे मौका दिया। मैं सुबह अखबार पढ़ रहा था। यह पंजाब में पिछले कई सालों में सातवां एक्सीडेंट है। यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। इससे बहुत नुकसान हुआ है। मंत्री जी एकदम मौके पर गये, उन्होंने बहुत अच्छा किया। जो कम्पनसेशन पांच – पांच लाख का है, वह भी देने के लिए उन्होंने बोला है। मैं उम्मीद करता हूँ कि सब लोगों को कम्पनसेशन मिलेगा, जैसा कि इन कामों में, उनका रवैया है, लोगों को इलाज भी मिलेगा। मैंने उनसे अर्ज की थी कि आज पंजाब के मुख्य मंत्री ने उस गांव को दस लाख रुपया दिया है, जिन्होंने एकदम चुट कर सहायता की, वे जो कुछ कर सकते थे, उन्होंने किया और लोगों की सेवा की। जब इसके बारे में, मैंने मंत्री जी से पूछा, तो इन्होंने इसकी ताईद की और बताया कि ऐसे ही हुआ है। वह भी उस गांव के लोगों को 10 लाख रुपये देंगे। यह खुशी की बात है। लेकिन एक बेसिक चीज जरूर है – एक तो जो जेटली जी ने कहा था कि वह ट्रैक बहुत इंटेसिव यूज है, नेशनल ट्रैक है, बार्डर के ऊपर है, जम्मू तक है, आगे तक के लिये है, डिफेंस के लिए भी और वैसे भी एग्रीकल्चरली और इंडस्ट्रियली, तो वह काफी उपजाऊ इलाका है। उन्होंने यह कहा कि दो साल के अंदर उसको पूरा डबल कर देंगे। मुझे विश्वास है, जैसा कि मैं उन्हें जानता हूँ, यह होकर रहेगा, अब ढीला नहीं पड़ेगा और दो साल में यह हो जायेगा। हम भी यहां होंगे और वे भी यहां होंगे, तो देखते रहेंगे। लेकिन मैं एक चीज जरूर कहूँगा, 13 दिसम्बर को आपने मुझे बोलने का मौका दिया था और मैं यहां रेलवे सप्लीमेंट्रीज पर बोला था कि एक चीज सारे देश में है, जिसका वे जिक्र भी कर चुके हैं, जेटली जी की स्पीच भी पूरी है, उन्होंने जवाब भी दे दिया, उसमें आधी बात मेरी भी खत्म हो गयी। लेकिन फिर भी, अपग्रेडेशन ॲफ ट्रैक, सिग्नलिंग इक्युपमेंट, ट्रेनिंग ॲफ स्टाफ, डिसिप्लीन एंड कंट्रोल ॲफ स्टाफ, ये चार चीजें बहुत फॉलमेंट हैं। वे काफी सख्त मंत्री हैं और वे देश के लिए कुछ अच्छा काम करवा देंगे। यह मैं अर्ज करता हूँ। मैं उनको धन्यवाद तो देता ही हूँ, लेकिन सारे देश में ट्रैक्स को अपग्रेड किया जाये। धन्यवाद।

**SHRI PEHUMALLIMADHU (Andhra Pradesh):** Sir, I wish to seek one or two clarifications on the statement.

The hon. Minister has accepted in his statement that *prime facie* cause

of the accident appears to be human failure. If we look at the recent accidents that have taken place, we will know that on many occasions, it is the human failure which is behind the accidents. The Railways is having very inadequate staff. Drivers of even the good trains have to work 16-18 hours a day

It has also been stated in the statement that the block instruments of both the stations had been out of gear from the previous day. So, I would like to know from the hon. Minister whether this is because of less staff or because of workers doing overtime. In recent times, the Railways is adopting a policy of 'less staff-more work'. Works in various Departments are being given to private contractors. So, I wish to know from the hon. Minister whether the accident occurred due to shortage of staff or due to overtime because of which they get tired and will not be able to do their work with utmost concentration.

**श्री लालू प्रसाद :** सर, इसमें बिल्कुल मानवीय भूल ही नहीं, इसमें मनुष्य के रूप में तो ये दोनों हो ही नहीं सकते हैं। इन लोगों ने लाइन विलयर दिया, प्रक्रिया का पालन नहीं किया, दोनों तरफ से गाड़ियों को कह दिया कि चले जाओ। महोदय, टक्कर रोधी यंत्र रेलवे में, एन०एफ० रेलवे में स्टार्ट कर दिया गया है। हम पूरे देश में पांच साल में एंटी – कॉलीजन डिवाइस लगाने जा रहे हैं। भारतीय रेलवे पर मानवीय भूल दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण है। रेलवे कर्मचारियों की गलती रेलवे दुर्घटनाओं का सबसे बड़ा कारण है। लगभग 55 प्रतिशत रेल कर्मचारियों की गलती से, इतर व्यक्तियों की गलती से, मुख्यतः सड़क उपभोगकर्ता लगभग 30 प्रतिशत, चौकीदार रहित स्थानों पर दुर्घटना, चौकीदार सहित स्थानों पर दुर्घटना कुछ दुर्घटनाओं के लिए उत्तरदायी है। शिला खंडों का गिरना, रेल पथ का धसना, जैसे अकस्मात् कारण भी रेल दुर्घटना के कारण है। 2003-04 के दौरान कुल 325 परिणामी गाड़ी दुर्घटनाओं में से 181 दुर्घटनाएं रेल कर्मचारियों की गलती के कारण, 96 दुर्घटनाएं रेलकर्मियों के इतर व्यक्तियों की गलती के कारण, 7 दुर्घटनाएं उपकरणों की खराबी के कारण 20 दुर्घटनाएं तोड़-फोड़ के कारण 18 दुर्घटनाएं अकस्मात् कारणों से हुई हैं और तीन दुर्घटनाओं में कारण का पता नहीं चल सका है। टक्कर रोधी यंत्र एन०एफ० रेलवे में हमने शुरू कर दिया है और अगले पांच सालों में हम पूरे देश में इसको प्राथमिकता के आधार पर पूरा कर लेंगे।

**श्री राजीव शंकर प्रसाद (बिहार) :** आदरणीय सभापति जी, आपके माध्यम से मानवीय रेल मंत्री जी से मैं दो – तीन स्पष्टीकरण चाहता हूँ। मैं मानवीय मंत्री जी को यह स्मरण कराना चाहूँगा कि जब से रेल मंत्री बने थे तो उन्होंने एक बात की सार्वजनिक घोषणा की थी कि रेलवे की सुरक्षा, यात्रियों की सुरक्षा उनका प्रथम दायित्व रहेगा। पिछले छठ में दिल्ली स्टेशन से ट्रेन, हम दोनों के

प्रदेश जा रही थी जिसमें लोग स्टैम्पेड में मारे गए। संभवतः आदरणीय मंत्री जी भी उसमें यात्रा कर रहे थे, उसे भी मानवीय भूल बताया गया था। मंत्री जी, आज आपने जो वक्तव्य रखा है, उसमें भी आपने इस बात को स्वीकार किया है कि यह मूलतः मानवीय भूल थी। मेरे आपसे प्रश्न ये है कि आपने इस बात को स्वीकार किया है कि सिंगलिंग सिस्टम एक दिन से खराब थे। जैसा कि माननीय अरुण जी के प्रश्न के उत्तर में आपने स्वीकारा है, कि अगर सिंगल ट्रैक होता है और उसमें अगर सिंगलिंग सिस्टम खराब है, जिससे एक्सीडेंट की आशंका बढ़ती है, तो उसकी मानीटरिंग की क्या व्यवस्था है? यह मेरा पहला प्रश्न है। दूसरा, अगर यह एक दिन से खराब था तो दोनों स्टेशन मास्टरों को किसके द्वारा सूचना दी गई — सावधान हो जाओ, जरा भी इनडिफरेंट नहीं रहो, सिंगलिंग खराब है। क्या यह किया गया? यह करने का दायित्व किसका था? यह लापरवाही जो ऊपर तक चल रही है, वह किसकी थी? माननीय मंत्री जी, इसी से एक बड़ा सवाल जुड़ा हुआ है और आपने कहा है कि दो स्टेशन मास्टरों के खिलाफ एफ0आई0 आर0 दर्ज करने का आदेश दिया है। अगर लापरवाही ऊपर से आरंभ हो रही है तो यह सिर्फ दो स्टेशन मास्टरों के खिलाफ होगी? मानीटरिंग हत्या की बात आपने सभी स्वीकारी है कि यह हत्या का मामला है, तो हत्या के दायित्व की परिधि क्या है? इसमें ऊपर के पदाधिकारी आएंगे या नहीं आएंगे? मैं आपको बताना चाहूँगा कि आपने अपने उस उत्तर में भी हत्या का जिक्र नहीं किया है जिसकी आपने सार्वजनिक घोषणा की थी, आपने बाद में clarify किया है। लेकिन मेरा आपसे प्रश्न यह है कि यह केवल दो स्टेशन मास्टरों तक सीमित क्यों? यह दायित्व उससे ऊपर तक क्यों नहीं जाएगा और अगर ऊपर तक जाएगा तो कहां तक जाएगा? क्या लापरवाही के लिए आप दायित्व लेंगे, यह मैं आपसे पूछना चाहता हूँ।

**श्री लालू प्रसाद :** महोदय, माननीय सदस्य रवि शंकर जी ने जो प्रश्नों के माध्यम से जानना चाहा है, माननीय सदस्य राजीव शुक्ल के प्रश्न के जवाब में ल्वॉक वर्किंग मैनूअल को, समय बचाने के लिए, मैंने आधा पढ़कर सुनाया। महोदय, पहला प्रश्न इन्होंने यह किया कि छठ व्रत पर छठ, दीपावली और पवित्र ईद का त्यौहार, तीनों संयोग से जुटे और एक विज्ञापन करके भारतीय रेल ने पहली बार लगभग 150 विशेष ट्रेन्स — यह गलती हो सकती है हमारे रेलवे अधिकारियों की, कि एक ही जगह से हमने शुरू कराई दिल्ली से — क्योंकि इस एरिया में ज्यादा मजदूर रहते हैं, बिहार के लोग रहते हैं, मुस्लिम ब्रदर्स रहते हैं और हिन्दू ब्रदर्स रहते हैं। सब घर जाते हैं, सब मजदूर लोग जाते हैं, तो इतनी भीड़ हो गई कि चढ़ने वाले और चढ़ाने वाले — जबकि हमने व्यवस्था की थी, फिर भी उसमें स्टैम्पेड से एक हमारी मां तुल्य बूढ़ी मजदूर सीढ़ी से गिर गई, फाल डाउन हो गई। फिर उसके ऊपर और लोग चढ़ते गए, चार — पांच लोग मर और मैं अस्पताल में गया और मैंने देखा। आगे के लिए हमने यह इंतजाम किया कि निजामुद्दीन टर्मिनल से अगर भविष्य में हमें ऐसा करना है तो हमें यह प्रीकाशन लेना होगा।

तीसरा महत्वपूर्ण मुद्दा रवि शंकर प्रसाद जी ने ठीक कहा कि सिर्फ स्टेशन मास्टर ही क्यों ? वहां एक वायरलेस सिस्टम प्रोग्राइडेड है लोगों को, टेलीफोन है, इसमें पेपर क्लीयरेंस सिस्टम से एक गाड़ी ब्लॉक उपकरण खराब होने की सूचना दोनों स्टेशन मास्टरों को थी, दोनों को थी। ये जो केस है, और इनको पेपर लाइन विलयर प्रणाली अपनाने को कहा गया था। जहां हमारा सिस्टम खराब था, हमने उनको भी सख्ती से किया है। इसके साथ ही हम ऊपर के अधिकारियों को भी चिन्हित कर रहे हैं कि इसमें कौन – कौन से पदाधिकारी हैं जिनकी डियूटी है टू मोनिटर इट, हमारी कहां – कहां क्या इनफोर्मेशन है और कंट्रोल रूम को भी देखना हैं। हम तत्काल वहां गए और जो हमने उचित समझा, उन बातों का जवाब दिया है। भारत के लोग और हमारी भारतीय महान जनता, दुर्घटना में शिकार होती है, फिर भी हम सामाजिक कार्य करते हैं। हम सभी लोगों के लिए यह विंता का विषय है। ... (व्यवधान) ...

**श्री एस.एस. अहलुवालिया :** सर, जवाब तो आ नहीं रहा है। ... (व्यवधान) ...

**प्रो। राम देव भंडारी :** आपकी समझ में नहीं आ रहा है। ... (व्यवधान) ...

**श्री एस.एस. अहलुवालिया :** जांच करेंगे। ... (व्यवधान) ...

**श्री सभापति :** ये कह रहे हैं कि जांच करेंगे। ... (व्यवधान) ...

**श्री रवि शंकर प्रसाद :** ऊपर के अधिकारियों का क्या हुआ ? ... (व्यवधान) ...

**श्री लालू प्रसाद :** जवाब तो दिया है। ... (व्यवधान) ...

**श्री रवि शंकर प्रसाद :** ऊपर के अधिकारियों का क्या हुआ ? ... (व्यवधान) ...

**श्री लालू प्रसाद :** महोदय, ये जाना चाहते हैं। ... (व्यवधान) ...

**श्री एस.एस. अहलुवालिया :** जांच कम्प्लीट नहीं हुई है ? ... (व्यवधान) ...

**श्री लालू प्रसाद :** आप बैठिए ... (व्यवधान) ... सुनिए ... (व्यवधान) ...

**श्री एस.एस. अहलुवालिया :** कैसे बैठें? ... (व्यवधान) ... आप जवाब गलत दे रहे हैं। ... (व्यवधान) ...

**श्री लालू प्रसाद :** आप बचाव मत करिए ... (व्यवधान) ... Don't defend the Station Masters. ... (व्यवधान) ... आप स्टेशन मास्टर को डिफेन्ड कर ही नहीं सकते हैं। हमने इसमें जवाब दिया है और जो हमारा सिस्टम खराब था, हम उसको देखकर चिन्हित करेंगे। ... (व्यवधान) ... यदि आपको ऐसे ही जाना है तो जाइए। ... (व्यवधान) ...

**श्री एस.एस. अहलुवालिया :** आपने बैचारे गरीब स्टेशन मास्टर को हत्यारा करार दे दिया। ... (व्यवधान) ...

**श्री रवि शंकर प्रसाद :** अधिकारियों के नाम केस बनाइए। ...**(व्यवधान)**...

**श्री एस.एस. अहलुवालिया :** जो निजामुद्दीन में एक्सिडेंट हुआ है ...**(व्यवधान)**... यहां पर हुआ यह किसके आदेश पर हुआ था। ...**(व्यवधान)**...

**श्री लालू प्रसाद :** महोदय, माननीय अहलुवालिया जी दोनों स्टेशन मास्टरों के बचाव में खड़े हैं। ...**(व्यवधान)**...

**श्री एस.एस. अहलुवालिया :** बिल्कुल नहीं ...**(व्यवधान)**...

**श्री लालू प्रसाद :** आप बचाव में खड़े हैं और हम समझ रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

**श्री रवि शंकर प्रसाद :** आप पदाधिकारियों को बचा रहे हैं। ...**(व्यवधान)**... यह क्या तरीका है ? ...**(व्यवधान)**...

**श्री एस.एस. अहलुवालिया (झारखण्ड) :** ये जवाब नहीं दे रहे हैं। ...**(व्यवधान)**...

**श्री लालू प्रसाद :** ये जाना चाहते हैं और बचाव में खड़े हैं। ...**(व्यवधान)**... हमने जवाब दे दिया है। ...**(व्यवधान)**...

**प्रो० राम देव भंडारी (बिहार) :** ये उनको बचाना चाहते हैं। ...**(व्यवधान)**...

**श्री सभापति :** श्री संजय निरुपम। ...**(व्यवधान)**...

**श्री एस.एस. अहलुवालिया :** ये कह रहे हैं ...**(व्यवधान)**... आप बताइए किस अस्पताल में गए थे ? ...**(व्यवधान)**...

**श्री मूल चन्द मीणा :** (राजस्थान) आप किसको जवाब दे रहे हैं ? ...**(व्यवधान)**...

**श्री रवि शंकर प्रसाद :** आपको क्या हो रहा है ? ...**(व्यवधान)**...

**श्री लालू प्रसाद :** मैं बता रहा हूं, आप सुनिए कि किस अस्पताल में गया था। ...**(व्यवधान)**... मैं, किस अस्पताल में गया, बता रहा हूं ...**(व्यवधान)**... आप जरा रुकिए...**(व्यवधान)**... माननीय सदस्य, आपसे हाथ जोड़कर कहते हैं। आप जरा सोचिए, आप वक्ता हैं, वोकल हैं और जनता का काम कर रहे हैं आप मेरी बात तो सुनिए। हमें रेल मंत्री बनने के बाद हमारे मुंह पर, जुबान पर रोक लगा दी गई है। आप सुन तो लीजिए। जेटली भाई, आप सोच रहे होंगे कि हम अस्पताल ही नहीं गए। हम घटना — रथल के बाद मुकेरियां गए थे, जो अपोजिट डायरेक्शन में चालीस — पचास किलोमीटर की दूरी पर है। वहां पर केवल हम ही नहीं सारे मीडिया के लोग भी गए थे। वह पंजाब गवर्नर्मेंट का अस्पताल है। उसके पीछे पोस्टमार्टम की जगह है, जहां पोस्टमार्टम हो रहा था, मैं वहां

पर भी गया था। उसके बाद ही हम लोग वापस लौटे हैं। आपने देखा होगा, हमने छोटे बच्चे को गोद में लिया है। यह अखबार में भी छपा है। ऐसा नहीं है कि लालू प्रसाद आंख में धूल झाँक रहे हैं। हम वहां पर गए हैं।

**श्री सभापति :** ठीक है, आप होस्पिटल में जाकर आए हैं और बता दिया, ठीक है।

**श्री लालू प्रसाद .** सर, आप तो इंसाफ करिए कि हम गए हैं।

**श्री सभापति :** ठीक है, ठीक है। आप गए हैं, हमने मान लिया है। श्री संजय निरुपम।

**श्री संजय निरुपम (महाराष्ट्र) :** सभापति जी, हम यहां पर एक बहुत ही दर्दनाक घटना के ऊपर चर्चा कर रहे हैं। उस पर क्लेरिफिकेशन पूछ रहे हैं। यदि उसको मज़ाक में न उड़ाएं तो बहुत अच्छी बात होगी। मंत्री जी, आपका बयान बड़ा मानवीयता पूर्ण बयान है। इसके लिए मैं आपको बधाई देता हूं। आपने कहा है की जो लोग दुर्घटना में मरे हैं, उनके परिवार वालों को इम्पलाइमेंट दिया जाएगा, नौकरी दी जाएगी और मेरे ख्याल से जो लोग दुर्घटना में घायल हुए हैं और जो अपाहिज हो गए हैं, उनके लिए भी नौकरी दी जाएगी। मैं जानना चाहता हूं कि यह क्या इस दुर्घटना के लिए है या आने वाली तमाम दुर्घटनाओं के लिए है, क्योंकि ऐसा पहली बार सुनने को मिल रहा है? इस बारे में जरा एक क्लेरिफिकेशन दे दीजिए। इस बारे में जरा क्लेरिफिकेशन दें। जो एंटी कॉलिजन डिवाइस होता है, ट्रेन को टकराने से रोकने के लिए जो टक्कररोधी उपकरण होता है, हमारे पास कॉकण रेलवे में ऑलरेडी अभी से है। कॉकण रेलवे में ट्रेनों की टक्कर को रोकने के लिए जो उपकरण होता है, उसका इस्तेमाल किया जा रहा है और उसे रोका जा रहा है। मेरा पहला प्रश्न तो यह है कि क्या हिंदुस्तान की बाकी ट्रेनों के लिए इस प्रकार की व्यवस्था होगी? दूसरी बात यह है कि भारतीय रेल इस दुनिया का सबसे बड़ा रेल नेटवर्क है, यह न तो पहली दुर्घटना है और न ही आखिरी दुर्घटना है, लेकिन पहली बार ऐसा हुआ है कि किसी रेल दुर्घटना के बाद रेल मंत्री जी ने यह कहा है कि यह हत्या का मामला है आपने बताया कि यह मामला दर्ज किया गया है, और छानबीन हो रही है। मेरा आपसे यह सवाल है कि जो एफ०आई०आर० दर्ज की गई है, क्या उसमें धारा 302 का इस्तेमाल किया गया है? दूसरा प्रश्न यह है की हत्या का मामला सिर्फ स्टेशन मास्टर पर क्यों होना चाहिए, जैसे कि रवि शंकर प्रसाद जी कह रहे थे, दोनों स्टेशन मास्टर्स के अलावा इस पूरे सिस्टम से जुड़े उच्च पद पर आसीन जो अधिकारी हैं, उन अधिकारियों के ऊपर भी क्या हत्या का मामला दर्ज किया जाएगा, यह मेरा आपसे सवाल है?

**श्री लालू प्रसाद :** सभापति जी, मानवीय सदस्य ने जो एंटी कॉलिजन को बात कही, मैं बता दूं कि हम इसे कर रहे हैं। एक — एक करके पांच साल में पूरा करने का मैंने हाउस में एश्यारेंस दिया है। सभापति जी, इसका ट्रायल भी चल रहा है। मैंने अपने जवाब में कहा है कि जिन — जिन लोगों की

जिम्मेदारी थी, हमारे संयंत्र को ठीक करने की, उन्हें भी मैं नियम — कायदे के अनुसार ठीक करूँगा। हमारे कंट्रोल रूम के, मुख्यालय के जो सीनियर ऑफीसर्स हैं, चीफ इंजीनियर्स हैं, उनको इसकी खबर थी या नहीं थी, क्या हुआ, क्या नहीं हुआ, इसे देखूँगा। यहां पर दोनों स्टेशनों मास्टर्स ने, सारे नियमों को ताक पर रखकर, जैसा किताब में है, सेवशन है, उसका पालन नहीं किया और हमारे नर, नारी बच्चे, भारत के नागरिक हमें गंवाने पड़े। इसलिए हमने कहा कि यह सीधा हत्या का मामला बनता है, जिसको कोर्ट में जाना है, वह वहां जाकर अपना बचाव करे ...**(व्यवधान)**...

**श्री संजय निरूपम :** एफ0आई0आर0 में ...**(व्यवधान)**... एफ0आई0आर0 में धारा 302 होनी चाहिए ...**(व्यवधान)**... अगर 302 नहीं हैं तो यह हत्या का मामला नहीं बनता है ...**(व्यवधान)**... अगर एफ0आई0आर0 में धारा 302 नहीं है, तो हत्या का मामला नहीं बनता है, ...**(व्यवधान)**...

**श्री अरुण जेटली :** यहां हाउस में कह रहे हैं कि हत्या का मामला है, एफ0आई0आर0 में हत्या का मामला नहीं है, इससे सदन क्या समझे ? ...**(व्यवधान)**...

**श्री लालू प्रसाद :** जेटली भाई, बात विलयर हो जाए। मैंने स्पॉट पर जाकर कहा कि मैं जो देख रहा हूँ, जो रिकॉर्ड है, जो दस्तावेज है, जो कागजात हैं, इसमें सीधा मर्डर है ...**(व्यवधान)**... यह वहां हमने कहा है और एफ0आई0आर0 भी दर्ज हुई है ...**(व्यवधान)**...

**श्री अरुण जेटली :** एफ0आई0आर0 में हत्या का मामला है या नहीं है ...**(व्यवधान)**...

**श्री लालू प्रसाद :** यह मैं देखूँगा ...**(व्यवधान)**...

**श्री अरुण जेटली :** देखेंगे ...**(व्यवधान)**... मंत्री जी कह रहे हैं कि हत्या का मामला है ...**(व्यवधान)**... आप पूरे देश से कह रहे हैं कि हत्या का मामला है ...**(व्यवधान)**...

**SHRI S.S AHLUWALIA :** He is playing to the gallery ...**(Interruptions)**...

**श्री लालू प्रसाद :** सुनिए, मेरी बात सुनिए ...**(व्यवधान)**... मैं फिर दोहराता हूँ कि मैंने स्पॉट पर कहा है कि यह बिल्कुल ग्रॉस नेग्लिजेंस एण्ड ब्रूटल मर्डर है ...**(व्यवधान)**...

**श्री संजय निरूपम :** अगर हत्या का मामला है तो 302 का इस्तेमाल होना चाहिए, अगर नहीं हुआ तो मंत्री महोदय को कहना चाहिए कि हत्या का मामला नहीं है ...**(व्यवधान)**...

**श्री लालू प्रसाद :** देखिए, मैं भी कानून जानता हूँ यह ग्रॉस नेग्लिजेंस है और यह culpable homicide not amounting to murder. You know the definition of murder in law, murder intentionally; negligence क्या है, ब्रूटल मर्डर है तब 304 का मुकदमा होगा, इसमें सात साल की सजा है।

**विपक्ष के नेता (श्री जसवन्त सिंह) :** सभापति जी, इस सदन का बहिर्गमन करते हैं।

तत्पश्चात् कुछ माननीय सदस्य सदन से बाहर चले गए।

**श्रीमती सुषमा स्वराज (उत्तरांचल) :** मंत्री जी, वहां आप कहते हैं कि ब्रूटल मर्डर है, लिखित बयान में नहीं कहते, उसके बाद खड़े होकर कहते हैं कि वह मर्डर है, जांच से पहले आप निष्कर्ष निकालते हैं जांच से पहले आप निष्कर्ष निकालते हैं और हत्या कहते हैं, अब यह तो कोई तरीका नहीं है। यह बयान देने का या जवाब देने का कौन सा तरीका है ... (व्यवधान) ...

**श्री दीपांकर मुखर्जी (पश्चिमी बंगाल) :** इनकी अलग पार्टी बन गई है क्या ? ये अलग से क्यों क्लैरिफिकेशन मांग रही है, जब कि इनके बाकी लोग वॉक आउट कर गए हैं ... (व्यवधान) ...

**श्री लालू प्रसाद :** महोदय, इनको खाली पोलिटिक्स करनी थी, ये वॉक – आउट करने के लिए बैठे हुए थे ... (व्यवधान) ...

**SHIRARAVULACHANDRASEKAR REDDY(Andhra Pradesh):** Sir, I am protesting... (*interruption*)...

**प्रो० राम देव भंडारी :** आपको भी जाना है, उन्हीं के साथ चले जाते ... (व्यवधान) ...

**SHRI RAVULA CHANDRA SEKAR REDDY:** The statement of the hon. Minister is quite contradictory to the statement made in this House.- Nothing is mentioned about the FIR and the number of persons involved in it. This is the callous attitude of the hon. Minister towards this ghastly accident. In protest, we are walking out.

(At this stage, some hon. Members left the Chamber)

**श्री सभापति :** हो गया, हो गया। Now, let us take up the legislative business.

**श्रीमती सरला माहेश्वरी (पश्चिमी बंगाल) :** सभापति जी, यह इतना महत्वपूर्ण विधेयक है ... (व्यवधान) ...

**श्री सभापति :** मुझे तीन-तीन बिल निकालने हैं, बैठ जाइए।

**श्रीमती सरला माहेश्वरी :** सभापति जी, इतने बड़े-बड़े घोटाले हुए हैं।

**श्री सभापति :** आप घोटालों का बाद में जिक्र कर लेना, अभी बहुत दिन बाकी है।